



(विज्ञापन)

माफीनामा

कल के विज्ञापन में "थोथे थानेदार" शब्द को "उल्टा चोट कोतवाल को डॉटे" जैसी ही एक लोकोक्ति के सन्दर्भ में न लेकर बच्चों के माता-पिता के संदर्भ में लिखे हमारे जन्मातों का अनर्थनिकाले जाने से मन काफी व्यथित है। पुलिस विभाग की भूमिका हमारे समाज में अति महत्वपूर्ण है। जब पुलिस जागती है, तब हम सभी सुरक्षित और चैन की नींद सो पाते हैं। उनके सहयोग से ही हमारा व्यापार और समाज सुचान ठप से चलता है। हमारा उद्देश्य किसी भी प्रकार से पुलिस विभाग या किसी अन्य जनमानस को ठेस पहुंचाने का नहीं था बल्कि संवेदनात्मक व्यापारिक जागरूकता फैलाना था। यदि पुलिस या किसी अन्य जनमानस को इस विज्ञापन से कोई दुःख पहुंचा है, तो हम सहदय क्षमा प्रार्थी हैं। हम इस विषय पर विदाम लगाते हुए पुनः इसके लिए क्षमा चाहते हैं। हमारा मानना है कि पुलिस विभाग की गरिमा सर्वोपरि है, और हम ऐसा कोई व्यापार नहीं चाहते जिससे उनकी प्रतिष्ठा पर किसी भी प्रकार की आँच आए। इसीलिए, हमने इस विषय को विज्ञापन में सबसे प्रमुख स्थान पर रखा है, ताकि हमारा संदेश स्पष्ट हो और किसी तरह का गलत अर्थन निकाला जाए।

आजकल लोग प्रीमियम लोकेशन के चक्कर में महंगे से महंगे घर खरीद रहे हैं लेकिन जब बात आती है बच्चों के खेलने और उनके संपूर्ण विकास की, तो यह घर एक कंक्रीट के जंगल के अलावा कुछ नहीं है। न आउटडोर गेम्स, न कलब हाउस, न स्पोर्ट्स एमेनिटीज और न ही ज़रूरी सुविधाएं—नतीजा? बच्चे मोबाइल, टैबलेट या लैपटॉप पर ही गेम्स खेलकर अपना बचपन बबादि कर रहे हैं। इस डिजिटल दुनिया का असर इतना गहरा हो गया है कि कई बच्चे बिना स्क्रीन देखे खाना तक नहीं खाते, और उनकी माताएँ उन्हें वीडियो दिखाकर खाना खिलाने को मजबूर हैं।

कभी हृष्ट-पुष्ट होने वाले भारतीय बच्चे आज शारीरिक ठप से कमजोर और मानसिक ठप से विकृत हो रहे हैं। यह दुखद है कि शहर की प्रीमियम लोकेशन में रहने और नामी स्कूलों में पढ़ने के बावजूद, वे सम्पूर्ण विकास से वंचित हैं।

आजकल अधिकतर बच्चे लगभग 5-10 साल की कच्ची उम्र में अनजाने में अपनी आँखें फोड़कर ज़िन्दगी भर के लिए चरमें का गिफ्ट ले लेते हैं, जिसके जिम्मेदार इनोसेंट बच्चे नहीं बल्कि उनके माता-पिता हैं, जिन्होंने बच्चों के शारीरिक, मानसिक एवं बौद्धिक विकास की ज़रूरत समझी बिना सिर्फ अपने स्टेटस के लिए या अपनी सुविधा के लिए सिर्फ प्राइम लोकेशन के चक्कर में बिना किसी आउटडोर गेम्स या स्पोर्ट्स एमेनिटीज वाला कंक्रीट का घर लिया था, क्या भरे ट्रैफिक की चिल्ल-पौं में प्राइम लोकेशन पर घर खरीदकर आपको गिनीज बुक में नाम लिखवाना था?

केडिया सेजस्थान में 60 शानदार सुविधाओं में से 40 सुविधाएं खासतौर पर बच्चों के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक विकास के लिए हैं। यहां आपको वो सब कुछ मिलेगा जो आपके बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए ज़रूरी है—आउटडोर गेम्स, इंडोर गेम्स, और स्पोर्ट्स सुविधाएं। क्योंकि हम कंक्रीट के जंगल वाला घर नहीं बल्कि एक वाइब्रेंट लाइफस्टाइल बेचते हैं।

AMAZING SETUP FOR KIDS AT KEDIA SEZASTHAN

SPORTS AMENITIES

- BASKET BALL COURT • BADMINTON COURT • SKATING RINK • LAWN TENNIS COURT
- MINI GOLF • CRICKET PRACTICE NET • BOX CRICKET • JOGGING LOOP • CYCLING TRACK

OUTDOOR AMENITIES

- RASHI GARDEN • OPEN AIR THEATRE • WETLAND PARK • KID'S PLAY AREA • SANDPIT
- OPEN GYM • LAP POOL • KID'S POOL • ROOF TOP WALK • MULTI PURPOSE LAWN
- MEDITATION ZONE • VOCATIONAL WORKSHOP SPACE • SENSORY WALK • NATURE TRAIL
- SAVANNA ELEVATED TRAIL • PICNIC POINTS • ADVENTURE PLAY AREA

INDOOR AMENITIES

- TUITION ROOM • LIBRARY • ART AREA • KID'S WORKSHOP AND PLAY AREA
- DISNEY THEME GAME ROOM • CONFERENCE ROOM • GYMNASIUM • YOGA AREA
- CARD AREA • CHESS AREA • CARROM AREA • TABLE TENNIS • BILLIARDS



अजमेर रोड, जयपुर

बड़ी-बड़ी कोठी बड़े-बड़े फ्लैट

OKEDIA®

1800-120-2323
78770-72737info@kedia.com
www.kedia.com
www.rera.rajasthan.gov.in
RERA No. RAJ/P/2023/2387SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH

*T&C Apply

विचार बिन्दु

मनस्वी पुरुष पर्वत के समान ऊँचे और समुद्र के समान गंभीर होते हैं।

उनका पार पाना कठिन है। -माय

हिमाचल की गोद में एक रोमांचक यात्रा

हि मालय की दुर्गम चोटियों और बर्फीली घाटियों की ओर जाने का विचार ही हमें उत्साह से भर देता है। इस बार, मैंने और मेरी पत्नी पुष्पा पाण्डे ने हिमाचल प्रदेश के लाहौल और स्थानीय की यात्रा का फैसला किया। हमारे साथ इस यात्रा में हमारा बेटा पुष्प दीप पाण्डे भी था, जो अपनी मोटरसाइकिल पर 220 किलोमीटर की सहासिक यात्रा पर निकला। इस यात्रा में न केवल हिमालय की अद्वितीय सुंदरता को देखने का अवसर था, बल्कि इस क्षेत्र के अनूठे पर्यावरणीय, सामाजिक और सांस्कृतिक पहाड़ों से भी झूलने होना था।

जैसे ही हम शिमला की ठंडी हवा और देवदार के पेड़ों के बीच से गुज़रे, मन में रोमांच की एक लहर सी दौड़ गई। शिमला का धना जंगल, जिसमें देवदार, आक और चीड़ के पेड़ होते हैं, यहाँ के वातावरण को लालता और हरियाली से भर देता है। लेकिन हम अगे बढ़ते गए, इस यात्राली का स्वरूप धीरे-धीरे बदलता गया। देवदार और आक के पेड़ों की जगह फर और चीड़ के पेड़ों के ले ली। यह परिवर्तन ऊँचाई का सकेत था, जहाँ जीवन की परिस्थितियाँ और भी कठिन हो जाती हैं।

शिमला से अगे बढ़ते हुए, करीब 100 किलोमीटर के बाद हमें सेव के बागान दिखाई देने लगा। ये बागान हिमाचल प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। लेकिन इन बागानों के बीच भी हमें हम महसूस हुआ कि जलवायु परिवर्तन के कारण यहाँ के किसान मुश्किल दौर से गुज़र रहे हैं। सेव की खेती में चुनौतियाँ बढ़ती जा रही हैं, फिर भी किसानों का आत्मविश्वास और उनकी मेहनत हमें प्रेरित करती रही।

जैसे ही हम पूरे की ओर बढ़े, सेव के बागानों ने हमें अपनी सुंदरता से मन्त्रमुद्ध कर दिया। पिछली यात्रा में हमने देखा था कि हर पेंड सेवों से लदा हुआ है, और उनकी लालिमा सूजूर की किरणों में चमक रही है। यहाँ के किसान हमें बताते हैं कि देवदार प्रदेश भारत के कुल सेव उत्पादन की लगभग 30 प्रतिशत योगदान देता है। लेकिन बैमोसम व्यापार और ओलावृद्धि ने उत्पादन की गुणवत्ता को प्रभावित किया है। इस बार की यात्रा में हमने फूलों से लदे सेव के बागान देखे। मजा आ गया।

किसानों ने हाई-डीसीलिन्टेशन और डिपइरिंग इनजीकिंग जैसी तकनीकों का उपयोग कर उत्पादन में सुधार किया है। जब हमने इन किसानों से बात की, तो उनकी चुनौतियों और किसानों के बीच भी सुनकर हम समझ पाए कि इस लाल सेवों को उत्पादन में किसी नई और धैर्य लगाता है। लेकिन इस बीच, बालून ने आसाम को धेर लिया और अचानक बारिश शुरू हो गई, जिसने हमारी यात्रा को और भी रोमांचक बना दिया।

पूरे में रुक्ख हमने हिमाचल के स्थानीय व्यञ्जनों का स्वाद लिया। थुक्का (नूबलसूप) की गर्माहट और मोमोज़ का आनेखा स्वाद ठंडी हवा में बहुत सुकूदेह था। साथ ही, हमें चंग (तिक्की बीयर) का स्वाद भी मिला, जो यहाँ की ठंडी जलवायु में शरीर को गर्म रखने का एक पारंपरिक तरीका है।

हमारी यात्रा का सबसे रोमांचक हिस्सा तब शुरू हुआ, जब हम लाहौल और स्थीत घाटियों में प्रवेश करने लगे। चंद्रा और भागा नदियों का साथ हमें उनके बहाव की शक्ति और सुंदरता से खबर लगता हुआ। यहाँ की ओर कश्मीर की ओर बहती है। जैसे ही नदियों का प्रवाह उन कठिनाइयों का प्रतीक था, जिनका सामना यहाँ के लोग हर दिन करते हैं।

स्थीत नदी, जो इस क्षेत्र की जीवनसेरेखा है, अपनी शांत धारा के साथ बहती हुई स्थीत घाटी को सीधी चढ़ती है। लेकिन इन नदियों का पानी भी जलवायु परिवर्तन के कारण प्रभावित हो रहा है। ग्लेशियरों के विलयन की दर में बढ़दू और बर्फबारी में कमी ने इन नदियों के प्रवाह को कम कर दिया है, जिससे यहाँ के लोगों को जल संकट का सामना करना पड़ रहा है।

कानून की ओर बढ़ते हुए, रास्ते में डलान से पैसे खिलाफ़ बिगड़ गया। हमारे दिल की धड़कनें तेज़ कर दीं। लेकिन हम रुक्ने वाले नहीं थे। जैसे ही हम शहर के बाहर लौटे थे, तो उनकी बागान की ओर बढ़ती रोमांचक बना दिया।

हिमालय की गोद में बिताए गए ये पल हमें यह सिखाते हैं कि जीवन का हर पहलू-चाहे वह प्रकृति हो, समाज हो या अर्थव्यवस्था-संतुलन पर आधारित हो। और यह संतुलन ही हमें एक

स्थायी और समृद्ध भविष्य की ओर ले जा सकता है। जैसे ही हम शिमला की ठंडी हवा और देवदार के पेड़ों के बीच से गुज़रे, मन में रोमांच की एक लहर सी दौड़ गई। शिमला का धना जंगल, जिसमें देवदार, आक और चीड़ के पेड़ होते हैं, यहाँ की जीवनकीरण को बदलती है।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोसर के दौरान लोगों की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अनुभव भी सुनने की मिली। हमें तात्पर्य का आनंद लेने के बावजूद हमारी यात्रा को और भी जीवन का अनुभव होता है। लोग जीवन की अस्था और जीवन की अस्थाएँ अनुभव करते हैं।

हमारी यात्रा के दौरान हमें लोसर, यानी तिक्कियाँ नवरत्न के उत्तर के अन

